भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1934

02 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

छत्तीसगढ़ में किडनी संबंधी रोग

1934. श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले का सुपेबेड़ा गांव के पानी में फ्लोराइड की मौजूदगी के कारण यह गांव किडनी के रोगों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या निवारक उपाय किए गए हैं/किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट में प्रकाशित एक लेख "सीकेडी ऑफ अननोन ओरिजिन इन सुपेबेड़ा, छत्तीसगढ़, इंडिया", के अनुसार छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के सुपेबेड़ा गांव में किडनी रोगों के पाए गए मामलों का कारण अज्ञात है।

(ग): सरकार द्वारा उठाए गए/प्रस्तावित निवारक उपाय इस प्रकार हैं:

i. एनएचएम के तहत राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार गैर-संचारी रोगों संबंधी जागरूकता सृजन गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता देता है।

ii. क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस मनाए जाते हैं और इस उद्देश्य के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का भी उपयोग किया जाता है।

iii. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र किडनी स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए हर साल मार्च के दूसरे सप्ताह में 'विश्व किडनी दिवस' मनाते हैं।

iv. समुदाय में सी.के.डी. की जांच के लिए स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाते हैं और संदिग्ध मामलों को निदान और उपचार के लिए रेफर किया जाता है।

v. इसके अलावा, छत्तीसगढ़ सरकार के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पी.एच.ई.डी.) द्वारा सुपेबेड़ा गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आर.ओ. प्लांट भी स्थापित किया गया है।

*****